गन्ना अनुसंधान संस्थान के शर्करा महोत्सव का समापन

लखनऊ (सं.)। विभिन्न समारोहों, किसान गोष्ठियों, कृषि प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के बाद भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का हीरक जयंती एवं राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव – २०१३ एवं एग्रोटेक २०१३ संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि, डा. अशोक बाजपेई, पूर्व कृषि मंत्री, ने संस्थान में विकसित गन्ने की प्रजातियों को गन्ना विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया।

संस्थान के निदेशक डा० एस सोलोमन, ने संस्थान के हीरक जयंती एवं राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव – २०१३ के समापन समारोह में लगभग १००० वैज्ञानिक, प्रसार कार्यकर्ताओं तथा कृषकों को सम्बोधित करते हुए बताया कि भारतीय गन्ना अनसुंधान संस्थान वर्ष २०१३ को आउटरीच के वर्ष के रूप में मना रहा है, जिसके अन्तर्गत गन्ना की उच्च उत्पादकता प्राप्त करने हेतु, गन्ना कृषि से सम्बन्धित समस्याओं का हल किसानों की चौखट तक पहुँचाने के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों को उनके द्वार तक भेजेगा। कृषकों की उन्नत गन्ना उत्पादन प्रौद्योगिकी के शीघ्र प्रसार हेतु, देश की सभी चीनी मिलों के साथ सहयोग का प्रयास करेगा तथा संस्थान-चीनी मिल इण्टरफेस बैठकों का भी आयोजन करेगा।

डा. एन गोपालाकृष्णन, सहायक महानिदेशक (व्यावसायिक फसलेंद्ध, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने गन्ने की खेती में किये जा रहे गुणवत्तापूर्ण शोध एवं इनके प्रकाशनों की सराहन करते हुए निदेशक डा. एस. सोलोमन को २१ विभिन्न प्रकार के प्रकाशनों जिनमें सूत द्विभाषी पत्रक भी सम्मिलित हैं, के लिए बधाई दी। उन्होंने गन्ना खेती की बहुमूल्य जानकारी को कैलेण्डर के रूप में प्रकाशित करने की सराहना की तथा एक अन्य महत्वपूर्ण प्रकाशन 'आई.आई.एस.आर. कापी बुक' जिनमें संस्थान की गत छह दशकों की शोध एवं विकास यात्रा की गौरवमयी गाथा को चित्रों के माध्यम से सजाने को भी सराहा। आई.आई.एस.आर. के तत्वावधान में कृषि विज्ञान केन्द्र ने किसान गोष्ठी आयोजित की जिसमें लखनऊ के ४०० किसानों को फसल उत्पादन एवं पशुपालन पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त बैल एवं ऊँट गाड़ी की सवारी के माध्यम से कृषि पर्यटन का भी आयोजन किया गया जिसका विद्यार्थियों व शहरवासियों ने भरपूर आनंद लिया। डा. आर.के. सिंह, कार्यक्रम समन्वयक ने बताया की लखनऊ तथा आसपास के लगभग ८००० किसानों ने एग्रोटेक २०१३ प्रदर्शनी के विभिन्न स्टालों का भ्रमण कर गन्ना सहित विभिन्न कृषि प्रौद्योगिकी की नवीनतम जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर कामकाजी महिलाओं, गृहणियों, जेल कैदियों तथा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न थीम आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिसमें लखनऊ के २९ विद्यालयों के ५०० से अधिक विद्यार्थियों तथा १०० से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं की सलाद बनाने की प्रतियोगिता में प्रतिभा वात्सायन, नव्या सिंह व पम्मी सिंह ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय वे तृतीय पुरस्कार जीता। रंगोली प्रतियोगिता में चेतना पाण्डेय, प्रियंका सिंह व गीता यादव पुरस्कृत की गईं। गन्ना चूसने की प्रतियोगिता में मंजू श्रीवास्तव तथा योगासन प्रतियोगिता में वी. विशा कुमारी ने प्रथम पुरस्कार जीता। संस्थान के प्रक्षेत्र में कार्य करने वाले आदर्श कारागार के कैदियों के लिए आयोजित म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में दाउद, शिव सियाराम और बाबू खान को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

विद्यार्थियों के लिए कला, नृत्य, सीइंग इज बिलीविंग, कोलाज बनाने, जस्ट-ए-मिनट, फैन्सी ड्रेस तथा डम शैरेड्स जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कला प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में स्तुति श्रीवास्तव, प्रत्यूष गुप्ता व मोहम्मद जोइन को प्रथम, ऐशानी सक्सेना, अनुपमा व श्रेयती सक्सेना को द्वितीय व दिव्यांश नेगी, अमरतिर्या कुमारी व प्रतीक्षा सिंह को तृतीय पुरस्कार मिला। नृत्य प्रतियोगिता में रेनू कोमल व मानसी को प्रथम पुरस्कार मिला तथा साथ ही निहाल सिंह, नवनीत शुक्ला, सोनिया व एन्जेल भी पुरस्कृत हुए। सीइंग इज बिलीविंग में श्रेयसी सक्सेना पुरसकृत हुई। जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता में श्रद्धा, प्रतीक्षा सिंह तथा अभिषेक सिंह को पुरस्कृत किया गया। गन्ना चूसने की प्रतियोगिता में चित्रांशी तथा सचिन यादव व आनंद कुमार को विभिन्न श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में देवांश नेगी तथा जया चौरसिया सर्वश्रेष्ठ घोषित किये गये। रंगोली प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में रूचि वर्मा तथा विजयश्री ने प्रथम पुरस्कार जीता। डा. एस. सोलोमन, निदेशक ने विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा पुरस्कार वितरण किया। उन्होंने विद्यार्थियों को २८ फरवरी, २०१३ को आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में भाग लेने हेतु, आमंत्रित किया।

लखनऊ •मंगलवार •19 फरवरी 2013 हिन्दुस्तान

किसानों ने उन्नत खेती के तरीके जाने

लखनऊ | निज संवाददाता

तकनीक का विकास कर किसान पैदावार बढ़ा सकते हैं। यह बात पूर्व मंत्री अशोक वाजपेई ने सोमवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) के हीरक जंयती समारोह एवं एग्रोटेक 2013 के समापन समारोह में कही।

उन्होंने समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। ओपन बेस्ट स्टाल का अवार्ड सोनालिका ट्रेक्टर, बेस्ट इंटीग्रेटेड स्टाल का अवार्ड यूपीएल एडवांटा, बेस्ट सीड स्टाल अवार्ड न्यूजी को मिला। कृषि अनुसंधान संस्थान दिल्ली को बेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट स्टॉल अवार्ड मिला।

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. एके शाह ने बताया कि फैजाबाद, बरेली, उन्नाव सहित कई जिलों के तीन हजार से अधिक किसानों ने खेती की नई तकनीक की जानकारी हासिल की। लकी ड्रॉ में रमेश चंद्र और रिजवान ने साइकिल जीती। सात वर्षीय पारूल ने टीवी जीता। इसके अलावा सौ से अधिक किसानों ने टार्च, मोबाइल सहित अन्य उपहार हासिल किया।

the pioneer
LUCKNOW TUESDAY | FEBRUARY 19, 2013
city 02

Diamond Jubilee celebrations, National Sugar-Fest conclude

PIONEER NEWS SERVICE
LUCKNOW

IN HIS ADDRESS, DIRECTOR, IISR, DR S SOLOMON, STATED THAT IT WOULD CELEBRATE THE YEAR 2013 AS AN 'YEAR OF OUTREACH' DURING WHICH SCIENTISTS OF THE INSTITUTE WOULD REACH AT THE DOORSTEPS OF THE FARMERS TO SOLVE THEIR PROBLEMS IN SUGARCANE CULTIVATION TO ACHIEVE HIGHER PRODUCTIVITY.

The Diamond Jubilee celebrations of the National Sugar-Fest-2013 and AgroTech-2013 concluded at the Indian Institute of Sugarcane Research (IISR), Lucknow, on Monday after three-day-long hectic celebrations of various activities, competitions, a Kisan Symposium and displays.

Former State Minister for Agriculture, Dr Ashok Bajpai, was the chief guest at the closing ceremony.

Dr Bajpai said that the technologies developed by the Institute were important for the development of sugarcane in the state and for improving its per acre productivity.

In his address, Director, IISR, Dr S Solomon, stated that it would celebrate the Year 2013 as an 'Year of Outreach' during which scientists of the Institute would reach at the doorsteps of the farmers to solve their problems in sugarcane cultivation to achieve higher productivity. "Efforts will also be made to involve all the sugar mills of the country in the fast dissemination of improved sugarcane production technology to the farmers and a series of Institute-sugar mill interfaces will be organised," he added.

He said that the Institute would intensify its efforts in providing quality caneseed to the sugar mills, particularly in UP and Bihar and popularise the mechanisation of sugarcane cultivation which was the need of the hour due to the shortage of labourers. "Such events will be organised by the Institute at regular intervals," he added.

The Krishi Vigyan Kendra, Lucknow, under the aegis of IISR organised a 'Kisan Goshthi' for around 400 farmers of Lucknow district during which vital information on important aspects of crop and animal husbandry were provided to them.

In addition, agro-tourism in the form of bullock cart and a camel-cart ride was also organised for the students and city dwellers in the IISR premises.

PC, KVK, Dr RK Singh, said that around 8,000 farmers from neighbouring districts of Lucknow visited the exhibition stalls of 'Agro-Tech. 2013' and gathered information on recent advances in various agricultural technologies, including sugarcane.

Meanwhile, various theme -based competitions for working women, housewives, jail inmates and students were organised in which around 500 students from 29 schools and colleges of Lucknow took part. Several other competitions, including salad preparation and display, musical chairs, tambola, rangoli and candle lightening, dance, seeing is believing, collage making, just-a-minute, fancy dress, cane chewing and dumb charades, were organised. Dr S Solomon, Director of the Institute, distributed the prizes to the winners.